1) हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से आप को क्या शिक्षा मिलती है?

उ> हंस और कछुआ पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपना संयम नहीं खोना चाहिए और सोच-समझकर बात करना चाहिए।

2) पाठ का सारांश अपने शब्दों में 80-100 शब्दों में लिखिए-

उ> एक बार कुछ मछुआरे एक तालाब से गुज़र रहे थे। उन्होंने सोचा कि फुल्लोत्पल नामक तालाब में मगध देश में मछलियाँ और कछुए को पकड़ेंगे। यह बात 2 हंसों ने सुनली। 2 हंस और एक कछुआ मित्र थे। कछुए को सारी बात हंसो ने कही। कछुए को उड़ना

नहीं आता था। उसे दो हंस
लकड़ी से उड़ा कर ले गए।
कुछ बच्चे उड़ते कछुए
को उड़ते देख मज़ाक बनाया।
कछुआ बोल पड़ा और
मर गया।